

प्रेषक,

मनोज चन्द्रन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख वन संरक्षक,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक 19 फरवरी, 2014

विषय:- वन विभाग के अनुदान सं०-27 के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2013-14 के राज्य सेक्टर के आयोजनागत पक्ष की योजना "वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का विकास" में वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड के पत्र सं० नि-856/3-5(रा०सं०-वन्य जन्तु परि०) दि० 23 नवम्बर, 2013 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वन विभाग के अनुदान सं०-27 पूंजीगत पक्ष के अन्तर्गत "वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का विकास" योजना में चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में प्राविधानित (प्रथम अनुपूरक अनुदान सहित) आय-व्ययक ₹ 30,00,000/- (₹ तीस लाख मात्र) के सापेक्ष शासनादेश सं०-4130A/X-2-2013-12(34)/2012 दि०-30 अक्टूबर, 2013 द्वारा अवमुक्त धनराशि ₹ 10,00,000/- (₹ दस लाख मात्र) के पश्चात् अवशेष कुल धनराशि ₹ 20,00,000/- (₹ बीस लाख मात्र) व्यय किये जाने के लिए आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

1. विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-284/XXVII(1)/2013 दि० 30 मार्च, 2013 एवं शासनादेश सं० 413/XXVII(1)/2013 दि० 10 जून, 2013 द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय। किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, 2008, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। निर्माण कार्य हेतु अनुमोदित दर अनुसूची (SOR) आधार पर गठित आंगणन का संक्षम/प्राधिकृत स्तर से परीक्षण एवं तदोपरान्त वित्तीय/प्रशासनिक और तकनीकी/प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त कर ही आहरण एवं व्यय किया जायेगा।
2. बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय अनुमोदित परिव्यय के सीमान्तर्गत ही किया जायेगा। साथ ही पूर्व अवमुक्त धनराशियों के सापेक्ष वित्तीय/भौतिक प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध करा दिया जायेगा इसके अतिरिक्त योजना की प्रगति तथा उद्देश्यों की पूर्ति संतोषजनक होने पर ही धनराशि आहरित एवं व्यय की जायेगी।
3. आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय जिससे फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
4. आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण निर्धारित बी०एम०-प्रपत्र पर प्रत्येक माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा।
5. व्यय के सम्बन्ध में निर्धारित बी०एम०-प्रपत्र पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 05 तारीख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय।
6. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय को फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-फ्लो निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न न हो।
7. यह भी सुनिश्चित किया जाये कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिये भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित ईकाई में समकक्ष स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।

8. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं०-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
 9. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट में अल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य समक्ष प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
 10. स्वीकृति की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
 11. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृति का आवंटन पत्र कम्प्यूटर के माध्यम से जनरेट किया गया है एवं इसका Allotment Id S1402270219 है। आप भी अपने स्तर से अधिनस्थ आहरण वितरण अधिकारियों को कम्प्यूटर के माध्यम से online बजट आवंटन करना सुनिश्चित करेंगे।
 12. निर्गत की जा रही वित्तीय स्वीकृतियों से कराये जाने वाले कार्यों की सूचना यथावश्यकता अनुसार सुराज, भ्रष्टाचार उन्मूलन एवं जन सेवा विभाग उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश सं०-1638/XXX-1-12(25)2011, दि०-08 दिसम्बर, 2011 द्वारा अपेक्षित राज्य सरकार की वेबसाइट www.ua.nic.in तथा विभाग की वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से प्रकाशित की जायेगी और उन्हें समय-समय पर अध्यावधिक किया जायेगा।
 13. आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किशतों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
 14. पूंजीगत मद के कार्यों में वित्तीय वर्ष 2013-14 की समाप्ति अथवा प्रस्तावित निर्वाचन आचार संहिता के कारण व्यय अवशेष रहते हो तो उसे FD/DCL में डालकर आगामी वित्तीय वर्ष 2014-15 के प्रथम त्रैमास तक व्यय करने की अनुमति भी प्रदान की जाती है।
- 2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक 4406-वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय 01-वानिकी 800-अन्य व्यय 080-00 वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का विकास -मानक मद 24-वृहद निर्माण कार्य के सुसंगत मद के नामे डाला जायेगा। इस प्रयोजन हेतु Online Budget Allotment की हार्ड कॉपी भी संलग्न की जा रही है।
- 3- यह आदेश वित्त अनुभाग-1 के शासनादेश सं०-284/XXVII(1)/2013 दि० 30 मार्च, 2013 एवं शासनादेश संख्या 413/XXVII(1)/2013 दि० 10 जून, 2013 द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोक्त।

भवदीय,

(मनोज चन्द्रन)

अपर सचिव

संख्या-472/X-2-2014, तदुद्दिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून।
3. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, देहरादून।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून।
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
13. गार्ड फाईल।

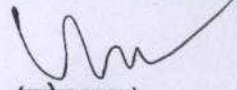
(मनोज चन्द्रन)

अपर सचिव

शासनादेश संख्या 472X-2-2014-12-(34)/2012 दि० 19 फरवरी, 2014 का संलग्नक

अनुदान संख्या-27 की आयोजनागत पक्ष की पूंजीगत योजना 4406-वानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय 01-वानिकी 800-अन्य व्यय 080-00 वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का विकास के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2013-14 में उपलब्ध बजट के सापेक्ष मानक मद-24 (वृहद निर्माण) में कार्यवार वित्तीय स्वीकृति

क्र० सं०	योजना का नाम	धनराशि जो निर्गत की जा रही है
1.	चौरासीकुटिया, ऋषिकेश में प्रकृति व्याख्या एवं चिन्तन केन्द्र की स्थापना हेतु लैंटेना उखाड़ना, दीवार, सफाई व मानचित्रीकरण व DPR	10.00 लाख
2.	सांकरी नेचर पार्क की स्थापना हेतु डी०पी०आर० निर्माण के सम्बन्ध में (मा० मुख्यमंत्री घोषणा सं० 259/2013)	2.00 लाख
3.	गोलापार में अन्तराष्ट्रीय प्राणी उद्यान का निर्माण (डी०पी०आर० निर्माण के सम्बन्ध में)	4.50 लाख
4.	टिहरी बाँध झील के ऊपर जू का निर्माण किया जायेगा (डी०पी०आर० निर्माण के सम्बन्ध में) (मुख्यमंत्री घोषणा सं० 442/2013)	2.00 लाख
5.	दून घाटी में (चन्द्रबनी या अन्य क्षेत्र) नेचर पार्क/बटरफलाई पार्क की स्थापना के सर्वेक्षण व DPR बनाने हेतु।	1.50 लाख
	योग	20.00 लाख


(मनोज चन्द्रन)
अपर सचिव

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20132014

Secretary, Forest (S016)

आवंटन पत्र संख्या - 472/X-2-2014-12(34)/2012
अनुदान संख्या - 027

अलोटमेंट आई डी - S1402270219

आवंटन पत्र दिनांक -18-Feb-2014

HOD Name - Principal Chief Conservator of Forest (4260)

: लेखा शीर्षक 4406 - बानिकी और वन्य जीवन पर पूंजीगत परिव्यय 01 - बानिकी
800 - अन्य व्यय 08 - वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों
00 - वन्य जन्तु परिरक्षण, बचाव तथा प्राणी उद्यान केन्द्रों का

Plan Voted

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
24 - वृहत निर्माण कार्य	1000000	2000000	3000000
	1000000	2000000	3000000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

2000000